www.maharashtrac
Email : editor@maharashtracrimes.in

www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष २० | अंक १० | मुंबई, ०५ ऑगस्ट २०२१ | पृष्ठ : ८ | कीमत : ५ रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

अखिर जाग उठा सिडको प्रशासन-कामोठे विभाग में स्थानिय पुलिस और सिडको

भ्रष्ट अधिकारी के सहयोगसे चलाये जा रहे गैरकानुनी मार्केट पर हुई अतिक्रमण विभाग की कार्रवाई

(मनसे उपाध्यक्ष वाहतूक सेना-श्री. राजकुमार पाटील के अथक प्रयत्नोंको यश प्राप्ती)

राजकुमार पाटील
मनसे वाहतूक सेना उपाध्यक्ष

दत्ता माने : पनवेल महानगरपालिका सीमा क्षेत्र के कामोठे विभाग में सन २००५ से कामोठे पुलीस थाने के बिलकुल बाजू में चल रहे गैरकानुनी मच्छी मार्केटपर आखिर सिडको के अतिक्रमण विभागने कार्रवाई कर के उसे ध्वस्त कर दिया। सिडको के अतिक्रमण विरोधी पथक के अधिकारी श्री. विशाल ढगे ने सफलतापूर्वक यह कार्रवाई की। इस कार्रवाई पिछे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (वाहतूक सेना) उपाध्यक्ष श्री. राजकुमार पाटील का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह मैदान खुली साँस ले सके इस लिए श्री. राजकुमार पाटील ने सिडको प्रशासनसे बिना थके पत्राचार किया। कई बार उन्हे स्थानिय गुंडोंसे भी टकराव हुआ। लेकीन श्री. राजेंद्र पाटीलने बड़ी निड़रतोस उनका सामना किया। कईबार उन्हे इस अतिक्रमणके विरोध में आवाज नही उठाने के लिए रुपयोंकी लालच दिखाई गयी।

वास्तविक तौर पर सिडकोने कामोठे विभाग को

(पृष्ठ ८ पर)

चुनावी रंजिश का शिकार हुये रामदेव सिंह ठाकुर

पूर्वांचल संवाददाता : जिला शिद्धार्थ नगर तहशील बाशी ग्राम असोगवा के निवाशी श्री ब्रह्मदेव शेर बहादुर सिंह इसी साल के अप्रेल महीने में हुये ग्राम पंचायत चुनाव के चलते असोगवा गाव के रहिवाशी अरविंद तेजबहादुर सिंह और इन्ही के सामने और भी काई उमीदवार खड़े थे उनमे से एक दिग्गज उमीदवार श्री ब्रह्मदेव शेर बहादुर सिंह माने जाते थे जिन्होंने चुनाव में अपनी दावेदारी में पूरी तरह से अपनी मजबूती बनाये हुये थे और लोग यह भी जान रहे थे की इस चुनाव में श्री ब्रह्मदेव शेर बहादुर सिंह जी बड़ी बहुमत के साथ विजय प्राप्त करेगे लेकिन एक कहावत यह भी है की जनता का रुझान कब और कहा

(पृष्ठ ८ पर)

रामदेव सिंह ठाकूर

मात्र ५००० रुपयों की लालच में बृहन्मुंबई मनपा अतिक्रमण विभाग अधिकारी श्री. सी.बी.शेंडे ने बेच दिया इमान। स्थानिक लोगों की श्री. शेंडे के खिलाफ विभागीय जाँच की मांग।

शिकायतकता: सलमा शेख

संवाददाता, (दत्ता माने): देश की आर्थिक राजधारी मुंबई। इस मुंबई को चलाती है बृहन्मुंबई महानगरपालिका अर्थात बी.एम.सी.इस बी.एम.सी. का प्रशासन। इस प्रशासन का प्रमुख होता है। आयुक्त यही आयुक्त संवैधानिक अधिकारोंके तहत इस मायानगरी का कारोबार संभालता है। इस कारोबार के लिए उनके निम्नस्तर पर कई अधिकारी नियुक्त होते है। शहर को सुनियोजित रुपसे चलाने हेतू तथा शहर में कोई गैरकानुनी अवैध इमारतो निर्माण ना हो, मनपाके अधिन खुली जगह या मैदानोंपर कोई अमिक्रमण ना करें और यदी कोई अतिक्रमण करता है तो उस अतिक्रमण को तोडणे की जिम्मेदारी मनपा के अतिक्रमण विभागपर होती है।

देखने और कहने के लिए तो यह अतिक्रमण विभाग ठिक है। लेकीन इसकी वास्तविकता भयाण है। आज शहर और अमिबा जैसी झोपडपट्टी फैली है इसके लिए महानगर निगम के अतिक्रमण विभाग के भ्रष्ट एवं लालची अधिकारीयोंकी ही देण है। मुंबई महानगर की मीठी नदी जिसका पानी वास्तव में मीठा था और लोग इस नदी का पानी पिते थे वह आज अतिक्रमण के चलते गंदी नाली बन चुकी है। शहर को आबाद करते बहनेवाली इस नदी के किनारोंपर हुए अतिक्रमण कि वजह से वर्षा ऋतुमें बरबाद करते बहती है। इसकी वजह है सिर्फ और सिर्फ अतिक्रमण विभाग के भ्रष्ट अधिकारी। इनपर कड़ी से कड़ी कानुनन कार्रवाई करके हवालात में बंद कर मेहनत और मजदूरी का काम देना चाहिए।

(पृष्ठ ७ पर)

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, ०५ ऑगस्ट २०२१

अगस्त का राशिफल

मेष : (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
कोई भी काम न टालें. आपको अपने नौकरी या बिजनेस के टारगेट पर ही पूरा ध्यान देना चाहिए. एकाग्रता से काम निपटाने की कोशिश करें. नए व्यक्ति से मुलाकात या दोस्ती होने के योग हैं. परिवार के कुछ लोगों से अपने कामकाज और प्लानिंग शेयर कर सकते हैं.परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय बीतेगा, परिवार की मदद से ही आपकी आर्थिक समस्या सुलझ सकती है. दिल और दिमाग पर कंट्रोल करने की कोशिश करें.

वृषभ = (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, व)
आज आप जीवन के सभी क्षेत्रों में सुधार पाएंगे और आपको यश की सहज प्रगति होगी. व्यवसाय में उन्नति और आपकी वित्तीय स्थिति में काफी सुधार संभव है. आपको अपने वरिष्ठों से सहयोग मिलेगा और आप खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे. आपका स्वास्थ्य शुभ रहेगा और आप अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ अच्छे समय का आनंद लेंगे आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं जो आपके जीवन को अधिक आरामदायक बनाएंगे. आपके परिवार में कुछ समारोह हो सकते हैं.

मिथुन : (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)
ऑफिस के कामो में आपका मन लगेगा. नौकरी, बिजनेस और करियर के मामलों में आगे बढ़ने का समय है. आपकी पहचान और हैसियत बढ़ सकती है. आप अपने काम योजना बना कर पूरे कर सकते हैं. आपकी ईमानदारी और काम के प्रति आपके लगन को देखकर आपका बॉस आपका औदा और ऊंचा कर सकता हैं. घर के सदस्य आपके किसी निर्णय से असमहत हो सकते है. आप किसी सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं.

कर्क : (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
ऑफिस के किसी काम में थोड़ी रुकावट आ सकती है. दिमाग में कोई भावनात्मक उथल-पुथल हो सकती है. आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. आर्थिक स्थिति कुछ चिंता उत्पन्न कर सकती है. साझेदारी में किया गया काम फायदेमंद हो सकता है. अपने उदार स्वभाव से लोगों को अपनी तरफ अट्रैक्ट करने में सफल रहेंगे. स्वास्थ्य के लिहाज से ज्यादा ठीक नहीं रहेगा.

सिंह : (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
आप अपनी बुद्धिमानी से सब संभालने की कोशिश करेंगे. नौकरीपेशा लोगों को साथ काम करने वालों से मदद मिलेगी. आगे बढ़ने का दौर है. जो काम आपको दिया जाएगा, उसे निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. लोग अपनी परेशानियां आपके सामने रख सकते हैं. लोगों की समस्या सुलझाने से आने वाले दिनों में आपको फायदा हो सकता है.

कन्या : ळ (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आज आप आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. ऑफिस और बिजनेस के कई मामलों में फायदे है. किसी प्रतियोगिता का नतीजा आना है तो आपको अच्छी खबर मिल सकती है. लड़ाई झगड़ा आपके लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है. आपकी विनम्र प्रकृति की सराहना की जाएगी. आपका रुझान सामाजिक कार्यों के प्रति अधिक हो सकता है और उसके संबंध में आज आप कहीं यात्रा भी कर सकते हैं.

तुला : (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
व्यावसायिक और वित्तीय प्रयासों से आपको लाभ मिलेगा. पुराने निवेशों से भी आपको लाभ प्राप्त हो सकता है. आप अपनी पसंद के स्थान पर स्थानांतरित हो सकते हैं. व्यापार में तरक्की होगी और आपको कोई नई डील भी मिल सकती है. यदि आपके पास विदेशी संपर्क हैं या निर्यात या आयात में शामिल हैं, तो विदेशी यात्रा की मजबूत संभावना है. आप सामाजिक गतिविधियों में भाग लेंगे और पारिवारिक जीवन सौहार्दपूर्ण रहेगा. स्वास्थ्य कुछ नरम गरम रह सकता है.

वृश्चिक : (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
आप समझदारी के साथ काम करेंगे. आपको कारोबार में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे. कहीं से अचानक धन लाभ भी हो सकता है. इस राशि के लॉ स्टूडेंट्स के लिए शानदार रहने वाला है. आपकी मेहनत रंग लायेगी. दोस्तों के साथ टूर पर जाने का प्लान करेंगे.. आपको दादा-दादी का आशीर्वाद प्राप्त होगा. उनसे किसी काम में ली गई सलाह आपके लिये फायदेमंद रहेगी.

धनु : (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)
किसी खास काम में दोस्तों की मदद मिल सकती है. महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बातचीत का मौका आपको मिल सकता है. आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए. दिनचर्या में कुछ बदलाव भी आपको करने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ ज्यादा समय बीतेगा. किसी तरहका दबाव या काम का बोझ कम हो सकता है. पार्टनर से संबंध सुधर सकते हैं. पार्टनर आपको पूरा समय देगा. आप अच्छा बोलकर अपने काम पूरे करवा लेंगे.

मकर : (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)
कार्यस्थल पर पर चीजें अच्छी तरह से आगे बढ़ेंगी, लेकिन आपको कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जा सकती है. व्यवसायियों को अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है . आपके संपर्कों का दायरा बढ़ेगा और आप प्रभावशाली लोगों के साथ कुछ महत्वपूर्ण संपर्क भी स्थापित करेंगे. वित्तीय मोर्चे पर उठाए गए कदम अच्छे परिणाम देंगे.

कुंभ : (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
व्यावसायिक फ़ैसलों को लेने के लिहाज़ से बेहतर है. समय पर आवश्यक वस्तु न मिलने से तनाव रहेगा. आय में निश्चितता रहेगी. दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं. नौकरी के मामलों में आपके लिए प्रतिकूल रहेगा. स्वास्थ्य संबंधी समस्या आपको परेशान कर सकती हैं. आपके प्रियजन आपको बहुत सी खुशियां देंगे और आप उनके साथ इन खुशियों का जश्न मनाएंगे.

मीन : (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
सेहत के मामले में आप खुद को ऊर्जा से भरा हुआ महसूस करेंगे. समाज में आपकी एक अलग पहचान बनेगी. आप किसी ऑनलाइन मनोरंजक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, जिससे आपके मन में ताजगी का अनुभव होगा. इस राशि के व्यापारी सभी को अपनी राय से सहमत कर लेंगे. कार्यक्षेत्र में बढ़ोतरी के आसार बनेंगे. परिवार के किसी खास मामले पर आप अपना फैसला दृढ़ रखेंगे. बच्चों को किसी नये कोर्स में दाखिला दिलवा सकते हैं.

ग्रुप में किस-किस ने पढ़ा है आपका मैसेज, इस तरह लगाएं पता, न कोई ब्लू टिक न कोई चेकमार्क, ये है तरीका

नई दिल्ली : दुनिया की जानी-मानी इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप Whats-pp का इस्तेमाल लगभग हर वो व्यक्ति करता है जो फोन में इंटरनेट का इस्तेमाल करता है। Whats-pp आज के समय में हमारे लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया है। Whats-pp दोस्तों और करीबियों के साथ चैट करने के लिए सबसे अच्छे मोबाइल ऐप में से एक है। मैसेज डिलीवर होने से यह पता चल जाता है मैसेज डिलीवर हो गया है या नहीं। मैसेज भेजने के बाद हमारा मैसेज कब पहुंचा और कब पढ़ा गया, यह भी पता लग जाता है। इसकी जानकारी हमें ब्लू टिक नजर आने पर होती है।

खरीदना है नया स्मार्टफोन तो करें तर्ळीं में अपग्रेड, मिलेगा ५,००० रु. तक का अतिरिक्त एक्सचेंज ऑफर, बचेंगे पैसे

हालांकि, ग्रुप में ब्लू टिक तभी नजर आता है जब ग्रुप में सभी ने मैसेज पढ़ लिया हो। अब यूजर्स के मन में एक सवाल आता है कि अगर ब्लू टिक नहीं आया है तो यह कैसे पता लगाया जाए कि ग्रुप में किस-किस व्यक्ति ने उनका मैसेज पढ़ा है। बता दें कि इसका तरीका बेहद आसान, आइए जानते हैं।

एंड्रॉइड यूजर्स कैसे करें चेक:

आप अपने द्वारा भेजे गए मैसेज पर लॉन्ग प्रेस कीजिए।

यहां पर एक ळ ऑप्शन नजर आएगा जिसके चारों ओर एक गोला होगा।

इस पर टैप करने से आपको यह पता चलता है कि मैसेज किस तक चला गया है और किसने पढ़ा है।

स्टिकर्स के जरिए दें फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं, ऐसे करें डाउनलोड

आईफोन यूजर्स कैसे करें चेक:

सबसे पहले आपको एक ग्रुप चैट खोलनी है।

फिर अपने द्वारा भेजे गए मैसेज को राइट से लेफ्ट स्वाइप करना है।

यह पता चलता है कि मैसेज किस तक चला गया है और किसने पढ़ा है।

स्मार्टफोन पर लगाएं रोजाना ५ से १० मिनट और कमाएं ५० हजार रुपये तक, घर बैठे आसानी से कमा पाएंगे पैसे

यह इतना आसान है। अब आप देख सकते हैं कि आपके ग्रुप के किन मेंबर्स ने आपका मेसेज पढ़ा है। जो सो रहे हैं या अपने फोन को चेक नहीं कर रहे हैं।

आपके द्वारा भेजे जाने वाले हर मेसेज के आगे चेक मार्क दिखाई देंगे।

घड़ी का निशान: मैसेज भेजा जा रहा है।

एक ग्रे चेकमार्क: Whats-pp मैसेज सफलतापूर्वक चला गया है, लेकिन डिलीवर नहीं हुआ।

दो ग्रे चेकमार्क: Whats-pp मैसेज सफलतापूर्वक डिलीवर हो गया है।

दो नीले चेकमार्क: आपका मैसेज पढ़ लिया गया है।

बेटा मोदी सरकार में मंत्री फिर भी खेतों में फावड़ा चला रहे माता-पिता, इनकी सादगी आपका दिल जीत लेगी

केंद्र सरकार में राज्य मंत्री एल मुरुगन (L Murugan) के माता-पिता बेहद सादगी से रहते हैं। उन्हें इस बात की खुशी है कि बेटा इतने ऊंचे मुकाम तक पहुंचा है मगर वे आखिर तक अपने पैरों पर खड़े रहना चाहते हैं।

कोनूर (नमक्कल)

कड़ी धूप में ५९ साल की एल वरुदम्मल एक खेत से खर-पतवार निकाल रही हैं। लाल साड़ी, चोली के ऊपर सफेद शर्ट पहने और सिर पर लाल गमछा लपेटे वरुदम्मल की सूरत गांव में रहने वाली किसी भी आम महिला जैसी है। पास के ही एक खेत में ६८ साल के लोगनाथन जमीन समतल करने में लगे हैं। दोनों को देखकर यह अंदाजा बिल्कुल नहीं होगा कि वे एक केंद्रीय मंत्री के माता-पिता हैं। बेटा एल मुरुगन इसी महीने केंद्र में राज्य मंत्री बना है मगर ये दोनों अब भी खेतों में पसीना बहा रहे हैं। दोनों को अपने बेटे से अलग जिंदगी पसंद है, पसीना बहाकर कमाई रोटी खाना अच्छा लगता है।

जब शनिवार को टाइम्स ऑफ इंडिया उनके गांव पहुंचा तो मुखिया ने दोनों से बातचीत की इजाजत दे दी। वरुदम्मल हिचकते हुए आईं और कहा, मैं क्या करूं अगर मेरा बेटा केंद्रीय मंत्री बन गया है तो ? अपने बेटे के नरेंद्र मोदी कैबिनेट का हिस्सा होने पर उन्हें गर्व तो है मगर वो इसका श्रेय नहीं लेना चाहतीं। उन्होंने कहा, 'हमने उसके (करिअर ग्रोथ) लिए कुछ नहीं किया।'

खबर मिलने के बाद भी खेतों में डटे रहे

अरुणथथियार समुदाय से आने वाले ये दोनों नमक्कल के पास एजबेस्टास की छत वाली झोपड़ी में रहेते हैं। कभी कुली का काम करते हैं तो कभी खेतों में, कुल मिलाकर रोज कमाई करने वालों में से हैं। बेटा केंद्रीय मंत्री है, इस बात से इतनी जिंदगी में कोई फर्क नहीं है। जब उन्हें पड़ोसियों से इस खबर का पता चला तब भी खेतों में काम कर रहे थे और खबर सुनने के बाद भी रुके नहीं।

७ साल की उम्र में अनाथ हुई रेवती, नानी ने मजदूरी करके पाला... अब ओलिंपिक में लगाएंगी मेडल की दौड़

बेटे पर नाज मगर खुद्दारी बरकरार

मार्च २०२० में जब मुरुगन को तमिलनाडु बीजेपी का प्रमुख बनाया गया था, तब वे अपने माता-पिता से मिलने कोनूर आए थे। मुरुगन के साथ समर्थकों का जत्था और पुलिस सुरक्षा थी मगर माता-पिता ने बिना किसी शोर-शराबे के बड़ी शांति से बेटे का स्वागत किया। वे अपने बेटे की कामयाबियों पर नाज करते हैं मगर स्वतंत्र रहनें की अपनी जिद है। पांच साल पहले छोटे बेटे की मौत हो गई थी, तब से बहू और बच्चों की जिम्मेदारी भी यही संभालते हैं।

दो-दो मंत्रालय का है प्रभार

मुरुगन के पास केंद्र में मत्स्य पालन, पशुपालन और सूचना तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय है। उन्हें दोनों विभागों में राज्य मंत्री बनाया गया है। मुरुगन ने ७ जुलाई को बाकी नए सदस्यों संग शपथ ली थी। वह इस साल विधानसभा चुनाव लड़े थे मगर डीएमके उम्मीदवार से हार गए।

'बेटे की लाइफस्टाइल में फिट नहीं हो पाए'

मुरुगन के पिता के अनुसार, पह पढ़ाई में बड़ा तेज था। चेन्नै के आंबेडकर लॉ कॉलेज में बेटे की पढ़ाई के लिए लोगनाथन को दोस्तों से रुपये उधार लेने पड़े थे। मुरुगन बार-बार उनसे कहता कि चेन्नै आकर उनके साथ रहें। वरुदम्मल ने कहा, हम कभी-कभार जाते और वहां चार दिन तक उसके साथ रहते। हम उसकी व्यस्त लाइफस्टाइल में फिट नहीं हो पाए और कोनूर लौटना ज्यादा सही लेगा। मुरुगन ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद मां-बाप से फोन पर बात की। दोनों ने उनसे पूछा कि यह पद राज्य बीजेपी प्रमुख से बड़ा है या नहीं।

कौन है वह जो सांसद भी नहीं, लेकिन झच् मोदी ने बनाया मंत्री

पास कोई जमीन नहीं, दूसरों के खेतों में करते हैं काम

गांव के मुखिया ने कहा कि बेटे के केंद्रीय मंत्री बन जाने के बावजूद दोनों के बर्ताव में कोई बदलाव नहीं आया है। गांव में ही रहने वाले वासु श्रीनिवासन ने कहा कि जब राज्य सरकार कोविड के समय राशन बांट रही थी तो लोगनाथन लाइन में लगे थे। उन्होंने बताया, हमने उससे कहा कि लाइन तोड़कर चले जाओ मगर वो नहीं माने। श्रीनिवासन के मुताबिक, दोनों अपनी सादगी के लिए जाने जाते हैं। उनके पास जमीन का एक छोटा टुकड़ा भी नहीं है।

बड़े अप्लायंसेज/फैशन और भी बहुत कुछ, आज की ऐमजॉन बेस्ट डील्स में पाएं ६०% तक की छूट

आज भी खेतों में काम करते हैं केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन के माता-पिता।

मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं कि कांग्रेश बहुत बेहतर पार्टी है इस देश के लिए बेहतर है और बेहतर थी क्योंकि जब से बीजेपी आई है मैंने ७० साल के इतिहास में देश के ऐसे हालात नहीं देखे...

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना खारघर शहर की ओर से महाड बाढ़ग्रस्त नागरीकों को मदत

संवाददाता : जुलै महिने में हुई भारी वर्षा से कोकण में आयी बाढ़ के कारण चिपलून,महाड और आसपास के इलाकेके बाढ़ग्रस्त लोगों को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना खारघर शहर ने महाड शहर में जाकर मदत पहूँचाई मदत में किराणा, कपडे. बरतन, फिनाईल, पानी की बोतल इ. जीवनावश्यक वस्तूएँ शामील है। यह मदत जरुरतमंदो तक पहुँचाने के लिए मनसे रायगड जिल्हा अध्यक्ष श्री. अतुलजी भगत, मनसे विद्यार्थीसेना जिलाअध्यक्ष ॲड.अक्षय काशिद, मनसे खारघर शहर अध्यक्ष प्रसाद परब, मनसे खारघर शहर उपाध्यक्ष अरुण पळसकर, मनसे खारघर शहर सचिव संतोष पंडीत, मनसे खारघर विभाग अध्यक्ष सुशिल विश्वास, मनसे खारघर महिला अध्यक्ष चंचला बनकर, मनसे विद्यार्थी सेना खारघर शहर अध्यक्ष ओमकार वेदांते, मनसे खारघर शाखाध्यक्ष आदर्श कांबळे और अन्य पदाधिकारीयोंने कष्ट लिए।

बस्तर में संभाल रहीं नक्सल ऑपरेशन की कमान, जानें इस लेडी सिंघम के बारे में सबकुछ

अंकिता शर्मा होम कैडर पाने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला आईपीएस (IPS) अधिकारी हैं और अब उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी गई है. अंकिता शर्मा को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर (Bastar) जिले का ASP बनाया गया है और ऑपरेशन बस्तर की कमान संभाल रही हैं. अंकिता शर्मा की पहचान दबंग और दमदार ऑफिसर के रूप में होती है. बता दें कि अंकिता अपने कामों के अलावा लुक को लेकर भी चर्चा में रहती हैं और इंस्टाग्राम पर अक्सर स्टाइलिश फोटोज शेयर करती रहती है.

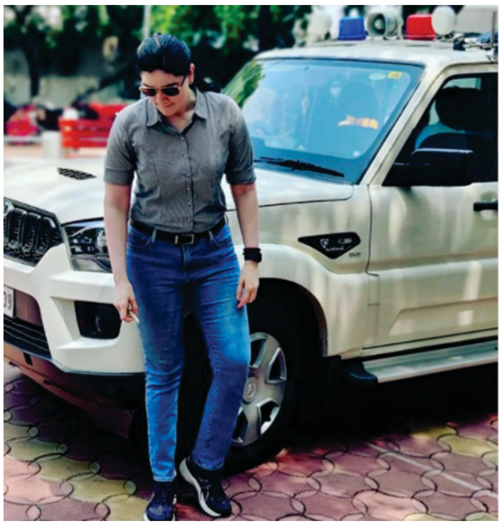

दुर्ग के छोटे गांव से हैं

अंकिता आईपीएस अंकिता शर्मा (Ankita Sharma) का जन्म २५ अप्रैल १९९२ को छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था और उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई सरकारी स्कूल से की है.

२०१८ में मिली सफलता

यूपीएससी पाठशाला की रिपोर्ट के अनुसार, अंकिता शर्मा (Ankita Sharma) को साल २०१८ में तीसरे प्रयास में सफलता मिली और उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा में २०३वीं रैंक हासिल की. इसके बाद अंकिता होम कैडर पाने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला आईपीएस बनी हैं.

ऑपरेशन बस्तर की सौंपी गई जिम्मेदारी

अंकिता शर्मा (Ankita Sharma) को नक्सल प्रभावित बस्तर जिले में नक्सल ऑपरेशन (Naxal Operation) की कमान संभाल रही हैं. इससे पहले वह राजधानी रायपुर के आजाद चौक इलाके में नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) पद पर पोस्टेड थीं. बता दें कि बस्तर अति नक्सल प्रभावित जिला माना जाता है और वहां नक्सलियों को खत्म करने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा ऑपरेशन बस्तर चलाया जा रहा है. अब अंकिता शर्मा पर नक्सलियों के खात्मे की की जिम्मेदारी है.

बचपन से बनना चाहती थीं आईपीएस

अंकिता शर्मा (Ankita Sharma) ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह बचपन से ही आईपीएस बनना चाहती थीं, लेकिन इस विषय में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी और मार्गदर्शन देने के लिए कोई नहीं था. इस कारण उन्हें दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा.

एमबीए के बाद शुरू की यूपीएससी की तैयारी

अंकिता शर्मा (Ankita Sharma) ने दुर्ग से ग्रेजुएशन करने के बाद एमबीए किया और यूपीएससी की तैयारी के लिए दिल्ली आ गईं, लेकिन उन्होंने सिर्फ छह महीने तक ही वहां पढ़ाई की और फिर घर वापस आकर सेल्फ स्टडी की.

तैयारी के दौरान हो गई थी शादी

अंकिता (Ankita Sharma) ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि यूपीएससी की तैयारी के दौरान ही उनकी शादी हो गई थी. उनके पति विवेकानंद शुक्ला आर्मी में मेजर है और वर्तमान में मुंबई में तैयात हैं. पति के साथ रहते हुए उन्हें जम्मू-कश्मीर, हैदराबाद, झांसी जैसे शहरों में रहना पड़ा और उनको यूपीएससी की परीक्षा में दो बार असफलता मिली, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और तीसरे बार में परीक्षा पास कीं. वह अपनी उपलब्धि में अपने पति का खास रोल बताती है.

घुड़सवारी और बैडमिंटन का शौक

अंकिता शर्मा (Ankita Sharma) की पहचान एक एक्टिव अधिकारी के रूप में होती है. उन्हें घुड़सवारी के अलावा बैडमिंटन खेलने का शौक हैं. इंस्टाग्राम पर अक्सर वह घुड़सवाड़ी की फोटो शेयर करती हैं.

गणतंत्र दिवस परेड का किया नेतृत्व

पिछले साल गणतंत्र दिवस पर २६ जनवरी को छत्तीसगढ़ के रायपुर में पुलिस परेड ग्राउंड में ट्रेनी आईपीएस अंकिता शर्मा (Ankita Sharma) परेड का नेतृत्व किया था. इसके साथ ही वह राज्य के इतिहास में गणतंत्र दिवस परेड की कमान संभालने वाली पहली महिला पुलिस अधकारी बनी थीं.

विधायक से भिड़ गई थीं अंकिता

अंकिता शर्मा (Ankita Sharma) कहती हैं कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं और उन्होंने लोगों की सेवा करने के लिए वर्दी पहनी है. पिछले साल फरवरी में अंकिता नियम कानून को लेकर एक महिला विधायक से भिड़ गई थीं. यह मामला सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई थी और लोगों ने अंकिता की जमकर तारीफ की थी.

युवाओं को करवाती हैं तैयारी

अंकिता शर्मा (Ankita Sharma) को यूपीएससी की तैयारी के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. इसलिए वे अब कोशिश करती हैं कि उन्हें जितनी परेशानी हुई है, अब किसी और को ना हो. इसके लिए वह यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्रों की मदद करती हैं. अंकिता अपने बिजी शेड्यूल से समय निकाल लेती हैं और युवाओं को पढ़ाती हैं

KRANTIKARI JAI HIND SENA
क्रांतीकारी जय हिंद सेना

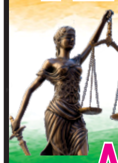

Adv.R.N.Kachare   Mr.Vinod Trivedi

LEGAL ADVISE CENTRE
कानुनी सलाह केंद्र

क्रांतीकारी जय हिंद सेना की और से अन्याय एवंम भ्रष्टाचार से पिडीत लोगोंके लिये निशुल्क कानुनी सलाह केंद्र तथा जरुरतमंद ओर गरीबों के लिए कानुनी मदत केंद्र कि उपलब्धी की गई है। समस्थ लोगोंको अपील की जाती है की आप इस योजना का लाभ उठा ले। हमने लोगों को अपने अधिकारी का ज्ञान कराने के उद्देश से विविध विधीज्ञ की सहयोग से यह योजना कार्यान्वीत की गई है।

संपर्क : २७/२८, दुसरा माला, इंडा मेशन, १८-वजु कोटक मार्ग, फोर्ट, मुंबई-४०० ००१. मो.९८२१३८७०९९, ९२२४७९९५४६

मोदी सरकार १२ घंटे करेगी ऑफिस के घंटे, १ अक्टूबर से घटेगी सैलरी लेकिन बढ़ेगा PFA ये होंगे बदलाव

मुंबई : मोदी सरकार १२ घंटे करेगी ऑफिस के घंटे, १ अक्टूबर से घटेगी सैलरी लेकिन बढ़ेगा झ्रझ्- ये होंगे बदलाव

मुंबई: मोदी सरकार १ अक्टूबर से लेबर कोड के नियमों को लागू कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मोदी सरकार १ जुलाई से लेबर कोड के नियमों के लागू करना चाहती थी लेकिन राज्य सरकारों के तैयार नहीं होने के कारण अब १ अक्टूबर से लागू करने का टारगेट रखा गया है। लेबर कोड (Labour Code) के नियमों के मुताबिक कर्मचारियों के काम के घंटे बदलकर १२ घंटे हो सकते हैं।

कर्मचारियों की ग्रेच्युटी और भविष्य निधि (PF) में बढ़ोतरी होगी, लेकिन हाथ में आने वाली सैलरी (Take Home Salar) कम हो जाएगी। जल्द ही सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों को अपनी सैलरी, ग्रेच्युटी और भविष्य निधि (PF) में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

१ अक्टूबर से बदलेंगे सैलरी से जुड़े अहम नियम

सरकार नए लेबर कोड में नियमों को १ अप्रैल, २०२१ से लागू करना चाहती थी लेकिन राज्यों की तैयारी न होने और कंपनियों को एचआर पॉलिसी बदलने के लिए ज्यादा समय देने के कारण इन्हें टाल दिया गया। लेबर मिनिस्ट्री के मुताबिक सरकार लेबर कोड के नियमों को १ जुलाई से नोटिफाई करना चाहते थे लेकिन राज्यों ने इन नियमों को लागू करने के लिए और समय मांगा जिसके कारण इन्हें १ अक्टूबर तक के लिए टाल दिया गया।

अब लेबर मिनिस्ट्री और मोदी सरकार लेबर कोड के नियमों को १ अक्टूबर तक नोटिफाई करना चाहती है। संसद ने अगस्त २०१९ को तीन लेबर कोड इंडस्ट्रियल रिलेशन, काम की सुरक्षा, हेल्थ और वर्किंग कंडीशन और सोशल सिक्योरिटी से जुड़े नियमों में बदलाव किया था। ये नियम सितंबर २०२० को पास हो गए थे।

१०वीं में हुए हैं फेल, तो तमिलनाडु के इस हिल स्टेशन पर बिताएं कुछ दिन, मिल रहा है फ्री ऑफर

काम के घंटे १२ घंटे करने का प्रस्ताव

नए ड्राफ्ट कानून में कामकाज के अधिकतम घंटों को बढ़ाकर १२ करने का प्रस्ताव पेश किया है। कोड के ड्राफ्ट नियमों में १५ से ३० मिनट के बीच के अतिरिक्त कामकाज को भी ३० मिनट गिनकर ओवरटाइम में शामिल करने का प्रावधान है।

मौजूदा नियम में ३० मिनट से कम समय को ओवरटाइम योग्य नहीं माना जाता है। ड्राफ्ट नियमों में किसी भी कर्मचारी से ५ घंटे से ज्यादा लगातार काम कराने की मनाही है। कर्मचारियों को हर पांच घंटे के बाद आधा घंटे का रेस्ट देना होगा।लेबर यूनियन १२ घंटे नौकरी करने का विरोध कर रही हैं।

Twitter का नया फीचर, हिंदी में बोलिए और आपका मेसेज टाइप होगा, जानिए कैसे काम करेगा ये फीचर

वेतन घटेगा और पीएफ बढ़ेगा

नए ड्राफ्ट रूल के अनुसार, मूल वेतन कुल वेतन का ५०% या अधिक होना चाहिए। इससे ज्यादातर कर्मचारियों की वेतन का स्ट्रक्चर में बदलाव आएगा। बेसिक सैलरी बढ़ने से झ्रझ् और ग्रेच्युटी के लिए कटने वाला पैसा बढ़ जाएगा क्योंकि इसमें जानें वाला पैसा बेसिक सैलरी के अनुपात में होता है। अगर ऐसा होता है जो आपके घर आने वाली सैलरी घट जाएगी रिटायरमेंट पर मिलने वाला झ्रझ्और ग्रेच्युटी का पैसा बढ़ जाएगा।

रिटायरमेंट पर मिलने वाला पैसा बढ़ जाएगा

ग्रेच्युटी और पीएफ में योगदान बढ़ने से रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली राशि में इजाफा होगा। पीएफ और ग्रेच्युटी बढ़ने से कंपनियों की लागत में भी वृद्धि होगी। क्योंकि उन्हें भी कर्मचारियों के लिए पीएफ में ज्यादा योगदान देना पड़ेगा। इन चीजों से कंपनियों की बैलेंस शीट भी प्रभावित होगी।

इंदिरा गांधी ने दी थी बेटे राजीव को नसीहत, माधवराव सिंधिया को अपनी कैबिनेट में मंत्री मत बनाना, अमिताभ बच्चन के लिए कही थी यह बात

योतिरादित्य सिंधिया की तरह उनके पिता माधवराव सिंधिया भी केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री रहे थे। इससे पहले राजीव गांधी की कैबिनेट में वे रेल मंत्री भी रह चुके थे। हाल में आई एक किताब में बताया गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने बेटे राजीव को माधवराव सिंधिया को मंत्री बनाने से मना किया था। इंदिरा ने अमिताभ बच्चन को भी चुनाव नहीं लड़ाने का निर्देश दिया था।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के नरेंद्र मोदी कैबिनेट में नागरिक उड्डयन मंत्री बनने के बाद से लोग उनके पिता माधवराव सिंधिया को याद कर रहे हैं। माधवराव भी वर्ष १९९१ में पीवी नरसिम्हा राव कैबिनेट में नागरिक उड्डयन मंत्री बने थे। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी (Former PM² Rajiv Gandhi) ने भी माधवराव सिंधिया को अपने मंत्रिमंडल में जगह दी थी। लेकिन एक बात शायद कम ही लोगों को पता हो कि राजीव की मां इंदिरा गांधी ने उन्हें ऐसा नहीं करने के लिए कहा था।

पत्रकार राशिद किदवई ने अपनी किताब में इस वाकये के बारे में बताया है। किदवई ने दिवंगत कांग्रेस नेता और गांधी परिवार के बेहद करीबी रहे माखनलाल फोतेदार के हवाले से यह खुलासा किया है। इसके अनुसार ३१ अक्टूबर, १९८४ को अपनी हत्या से कुछ दिन पहले इंदिरा ने एक दिन अचानक बेटे राजीव गांधी और अरुण नेहरू को बुलाया। राजीव उस समय कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव थे और अरुण नेहरू ताकतवर नेता।

इंदिरा (Indira's advise to Rajiv Gandhi) ने बातचीत के दौरान राजीव से कहा कि तुम दो काम बिलकुल मत करना। पहला अमिताभ बच्चन (Amitabh Bachchan) को कभी चुनावी राजनीति में मत लाना। दूसरा यदि तुम कभी प्रधानमंत्री बनो तो माधवराव सिंधिया को अपनी कैबिनेट में मंत्री मत बनाना। फोतेदार ने अपनी आत्मकथा में इस वाकये का जिक्र किया है, लेकिन उन्होंने इसके पक्ष में कोई सबूत नहीं दिए हैं।

फोतेदार ने कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी से प्रभावित होकर यह बात लिखी या ऐसा वास्तव में हुआ था, इस बारे में दावे से कुछ नहीं कहा जा सकता। इतना जरूर है कि राजीव गांधी ने दोनों में से कोई सलाह नहीं मानी। इंदिरा की हत्या के बाद लोकसभा चुनाव में राजीव गांधी के कहने पर अमिताभ बच्चन न केवल चुनावी दंगल में कूदे, बल्कि हेमवती नंदन बहुगुणा जैसे दिग्गज को पटखनी भी दी।

चुनाव के बाद जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने माधवराव सिंधिया को मंत्री बनाकर रेल मंत्रालय जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी। यहीं से माधवराव की पूरे देश में लोकप्रियता बढ़ने लगी। उन्होंने शताब्दी एक्सप्रेस जैसी तेज रफ्तार ट्रेनें और कंप्यूटराइज्ड टिकट प्रणाली की शुरुआत कर मध्य वर्ग को अपना मुरीद बना लिया।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, ०५ ऑगस्ट २०२१

ATM से मिलेगा अनाज, एक मिनट में निकलेगा १० किलो राशन, देश का पहला राशन एटीएम

हरियाणा : प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा एक अनूठी शुरुआत की गई है। हरियाणा सरकार ने ऐसे ही अनोखे ग्रेन ATM को उतारा है जो राशन कार्ड धारक को राशन और आधार नंबर डालने पर अनाज देगी। गुरुग्राम में फारुखनगर में बैंक एटीएम की तर्ज पर एक 'ग्रेन एटीएम' (Grain -TM) की शुरुआत की गई है।

जिसके बाद अब सरकारी राशन डिपो (Government Ration Depot) के आग अनाज लेने के लिए उपभोक्ताओं को ना तो लंबी लाइन में लागना होगा और न ही राशन कम मिलने की शिकायत का कोई मौका रहेगा। 'राइट क्वांटिटी टू राइट बेनिफिशरी' यानी सही मात्रा, सही लाभार्थी को, इस फलसफे के साथ तैयार की गई ये मशीन १० किलो तक अनाज देने में सक्षम है। इस ग्रेन ATM² से फिलहाल तीन अनाज ही मिल सकेगा। इससे गेंहू, चावल और बाजरा ही फिलहाल दिया जा रहा है।

बैंक एटीएम से आपने रुपए तो निकलते देखे होंगे लेकिन अब हरियाणा सरकार द्वारा गुरुग्राम के फारूखनगर में देश के पहले ग्रेन एटीएम की शुरुआत की गई हैं अन्नपूर्ति के नाम से इसे भारत में ही बनाया गया है। देश का पहला ऐसा ग्रेन एटीएम है जिससे राशन डिपो पर जाकर कोई भी कार्ड धारक अपने आधार कार्ड या राशन कार्ड की डिटेल दर्ज कर इस मशीन से राशन डिपो पर मिलने वाला राशन प्राप्त कर सकता है।

अब राज्य के अन्य शहरों में भी ग्रेन एटीएम लगाए जाएंगे। जानकारी के अनुसार इस एटीएम से एक मिनट में १० किलो तक अनाज निकाला जा सकेगा। प्रदेश सरकार के अनुसार इस मशीन का मकसद राइट क्वांटिटी टू राइट बेनिफिशरी है। ग्रेन एटीएम लगने से अब सरकारी दुकानों पर लगने वाला समय और पूरा माप न मिलने की सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी। इससे जनता के साथ-साथ सरकार को भी फायदा होगा। अब सरकारी डिपो पर अनाज घटने की समस्या भी खत्म हो जाएगी।

ग्रेन एटीएम मशीन से गेहूं बाजरा और चावल निकालने की प्रक्रिया को शुरू किया गया है।

यदि यह ग्रेन एटीएम मशीन सफल परिणाम लाती है तो प्रदेश भर के राशन डिपो पर इसी तरह की मशीनों को लगाया जाएगा सरकार का मुख्य उद्देश्य यही है कि लोगों को आसानी से सुविधाजनक तरीके से पूरा राशन मिल सके और उन्हें राशन के लिए लंबी लाइनों में ना लगना पड़े। इसी के चलते इस परियोजना को शुरू किया गया है। इस मशीन के लगने से उपभोक्ता को पूरा राशन मिलेगा और डिपो होल्डर भी गड़बड़ी नहीं कर सकता है।

सरकारी राशन वितरण प्रणाली में आए दिन आने वाली शिकायतों के निवारण के लिए हरियाणा सरकार द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह एक नई शुरुआत की गई जिसका उद्देश्य राइट क्वांटिटी टू राइट बेनिफिशरी है और यदि यह सफल रहती है तो आने वाले दिनों में पूरे हरियाणा में इसे लागू करने को लेकर सरकार की योजना है।

तालिबानी हिंसा में पाकिस्तानी सेना शामिल

अफगानी फोर्स ने तालिबानियों के कब्जे से कई गांव वापस लिए, मुठभेड़ में पाकिस्तानी सेना के अफसर भी ढेर

अफगानिस्तान नेशनल डिफेंस सिक्योरिटी फोर्सेज ने अमेरिका की मदद से तालिबानियों के कब्जे वाले कई गांव खाली करा लिए हैं। फोर्सेज के एक्शन के बाद ये साफ हो गया है कि तालिबानियों की हिंसा में पाकिस्तानी लड़ाके भी बराबरी से शामिल हैं। मुठभेड़ के दौरान ऐसे कई ऐसे लड़ाकों को अफगानी फोर्सेज ने मार गिराया है, जो पाकिस्तानी सेना में अफसर हैं। इनके पास से पाकिस्तानी आईकार्ड भी मिले हैं।

२० इलाकों में तालिबान बैकफुट पर

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय मदद और अमेरिकी एयर स्ट्राइक की बदौलत अफगानी फोर्सेज ने राजमार्गों के करीब के गांवों को तालिबानी कब्जे से छुड़ा लिया है। हेरात में भारतीय मदद से बने सलमा डैम पर हुए एक हमले को भी नाकाम किया है।

मुठभेड़ के दौरान कई तालिबानी फाइटर्स मारे गए हैं। कई ऐसे भी लड़ाके हैं, जिनके पास से पाकिस्तानी आईकार्ड मिले हैं। इनमें पाकिस्तान सेना का एक अफसर भी है। ये इस बात का इशारा है कि तालिबानी हिंसा और उसके पैर जमाने में पाकिस्तान भी पूरी तरह शामिल है।

अफगानी फोर्सेज ने बताया कि इंटेलिजेंस एजेंसी के अफसरों ने पाकिस्तानी सेना के अफसर जावेद को मारा है। जावेद लोगार, पकीता और पकतिया में तालिबानियों को लीड कर रहा था।

अफगानिस्तान के गजनी, तकहार, कंधार, हेलमैंड और बघलान समेत २० प्रांतों में अफगानिस्तानी फोर्सेज ने तालिबानियों को पीछे धकेल दिया है। यहां दोनों तरफ से भारी जंग छिड़ी हुई है।

फोर्सेज ने मयमाना-अकीना, हैरातन-काबुल-तोरखाम, स्पिन बोल्डक-कंधार सिटी-लश्करगा और इस्लाम कला-हेरात हाईवे को सिक्योर कर लिया है, ताकि मूवमेंट में कोई दिक्कत ना आए। मजार-ए-शरीफ, जलालाबाद, कंधार सिटी, हेरात समेत कई शहरों में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है।

अफगानिस्तान में मौजूद अमेरिकी सेनाएं अभी अफगानी फोर्सेज की मदद कर रही हैं। कई एयर स्ट्राइक भी की गई हैं। इनमें सबसे ज्यादा ८१ तालिबानी शिबरगान में मारे गए हैं।

तालिबानियों के खिलाफ फतवा जारी

लोकल लीडर्स ने लोगों से तालिबान के खिलाफ हथियार उठाने की अपील की है। दैकुंडी के शिया मौलवी अयातुल्लाह वहीजादा ने फतवा जारी किया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे जंग में उतरें। उधर, तालिबानी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि इस एयर स्ट्राइक के नतीजे भुगतने होंगे।

भास्कर एक्सक्लूसिव:फायरिंग में घायल दानिश को इलाज के लिए मस्जिद में ले जाया गया, लेकिन तालिबान ने मस्जिद पर हमला कर उनका सिर कुचल डाला: अमेरिकी डिफेंस एक्सपर्ट

इमरान ने तालिबानियों को बताया था शरणार्थी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि तालिबान कोई सैन्य संगठन नहीं हैं, बल्कि वे आम नागरिक हैं। पाकिस्तान की सीमा पर ३० लाख ऐसे रिफ्यूजी हैं। बॉर्डर पर कैंप लगे हैं। कहीं इनमें एक लाख लोग हैं और कहीं ५ लाख। इनमें सिविलियंस भी हैं। ऐसे में कोई देश इन पर कार्रवाई कैसे कर सकता है? आप इन कैंपों को पनाहगाह कैसे कह सकते हैं? इमरान ने कहा कि बॉर्डर पर जो शरणार्थी हैं, उनमें ज्यादातर पश्तून हैं यानी तालिबानियों जैसा लड़ाका समुदाय।

स्थानिक लोगों की श्री. शेंडे के खिलाफ विभागीय जाँच की मांग।

(पृष्ठ १ से)

दिलाने के लिए यह अतिक्रमण अधिकारी कार्रवाई करते है लेकिन किन लोगों पर? यह बड़ा सवाल है। ऐसे ही एक कार्यतत्पर(?)अतिक्रमण विभाग के अधिकारी है श्री.सी.बी.शेंडे। यह सी.बी.शेंडे साहब को मनपा प्रशासनने बिना तनखा नियुक्त किया है ऐसा हमे लगता है। बिना तनखा शायद नही हो सकता है लेकिन हो सकता है कोरोना महामारीके संकट से निपटने हेतू मनपा के तिजोरी में इतनी राशी नही होगी की वह श्री. सी.बी.शेंडे साहब को पगार ना देती हो। या ऐसा भी हो सकता है की अतिक्रमण अधिकारी श्री.सी.बी.शेंडे साहब का नवाबी जीवनस्तर है उसे कायम रखने के लिए पगार कम पडता हो। हमारा तो यह भी अनुमान है की श्री. सी.बी.शेंडे को अतिक्रमण विभाग में नियुक्ती के समयही कहा गया होगा की 'आपको अतिक्रमण विभाग में नियुक्त कर रहे है तो आला अधिकारीयोंको हर माह कुछ राशी पहुँचानी होगी।" इसी वजहसे श्री. सी.बी.शेंडे साहब अपने कार्यक्षेत्र में आतंक मचाए हुए है। श्री. शेंडे के कार्यक्षेत्र में यदी आप नजर मारेंगे तो जगह-जगह पर अतिक्रमण दिखाई देगा। अतिक्रमण और गैरकानुनी तरीकेसे बने ४-४ मंजीला इमारतोंको निर्माण होने

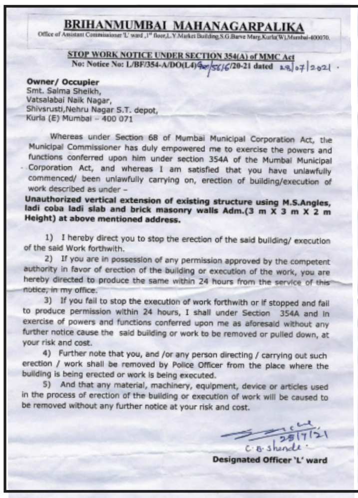

BRIHANMUMBAI MAHANAGARPALIKA
Office of Assistant Commissioner 'L' ward ,1st floor,L.Y.Market Building,S.G.Barve Marg,Kurla(W),Mumbai-400070.

STOP WORK NOTICE UNDER SECTION 354(A) of MMC Act
No: Notice No: L/BF/354-A/DO(L4)Gen/5616/20-21 dated 28/07/2021

Owner/ Occupier
Smt. Salma Sheikh,
Vatsalabai Naik Nagar,
Shivsrusti,Nehru Nagar S.T. depot,
Kurla (E) Mumbai – 400 071

Whereas under Section 68 of Mumbai Municipal Corporation Act, the Municipal Commissioner has duly empowered me to exercise the powers and functions conferred upon him under section 354A of the Mumbai Municipal Corporation Act, and whereas I am satisfied that you have unlawfully commenced/ been unlawfully carrying on, erection of building/execution of work described as under –

Unauthorized vertical extension of existing structure using M.S.Angles, ladi coba ladi slab and brick masonry walls Adm.(3 m X 3 m X 2 m Height) at above mentioned address.

1) I hereby direct you to stop the erection of the said building/ execution of the said Work forthwith.

2) If you are in possession of any permission approved by the competent authority in favor of erection of the building or execution of the work, you are hereby directed to produce the same within 24 hours from the service of this notice, in my office.

3) If you fail to stop the execution of work forthwith or if stopped and fail to produce permission within 24 hours, I shall under Section 354A and in exercise of powers and functions conferred upon me as aforesaid without any further notice cause the said building or work to be removed or pulled down, at your risk and cost.

4) Further note that you, and /or any person directing / carrying out such erection / work shall be removed by Police Officer from the place where the building is being erected or work is being executed.

5) And that any material, machinery, equipment, device or articles used in the process of erection of the building or execution of work will be caused to be removed without any further notice at your risk and cost.

28/7/21
C.B. Shinde
Designated Officer 'L' ward

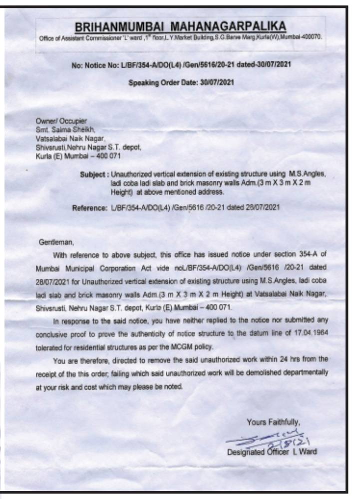

BRIHANMUMBAI MAHANAGARPALIKA
Office of Assistant Commissioner 'L' ward ,1st floor,L.Y.Market Building,S.G.Barve Marg,Kurla(W),Mumbai-400070.

No: Notice No: L/BF/354-A/DO(L4) /Gen/5616/20-21 dated-30/07/2021

Speaking Order Date: 30/07/2021

Owner/ Occupier
Smt. Salma Sheikh,
Vatsalabai Naik Nagar,
Shivsrusti,Nehru Nagar S.T. depot,
Kurla (E) Mumbai – 400 071

Subject : Unauthorized vertical extension of existing structure using M.S.Angles, ladi coba ladi slab and brick masonry walls Adm.(3 m X 3 m X 2 m Height) at above mentioned address.

Reference: L/BF/354-A/DO(L4) /Gen/5616 /20-21 dated 28/07/2021

Gentleman,

With reference to above subject, this office has issued notice under section 354-A of Mumbai Municipal Corporation Act vide noL/BF/354-A/DO(L4) /Gen/5616 /20-21 dated 28/07/2021 for Unauthorized vertical extension of existing structure using M.S.Angles, ladi coba ladi slab and brick masonry walls Adm.(3 m X 3 m X 2 m Height) at Vatsalabai Naik Nagar, Shivsrusti, Nehru Nagar S.T. depot, Kurla (E) Mumbai – 400 071.

In response to the said notice, you have neither replied to the notice nor submitted any conclusive proof to prove the authenticity of notice structure to the datum line of 17.04.1964 tolerated for residential structures as per the MCGM policy.

You are therefore, directed to remove the said unauthorized work within 24 hrs from the receipt of the this order; failing which said unauthorized work will be demolished departmentally at your risk and cost which may please be noted.

Yours Faithfully,
2/8/21
Designated Officer L Ward

से पहले या निर्माण के बाद क्यों नही तोड़ा गया इसका जवाब सिर्फ और सिर्फ अतिक्रमण अधिकारी श्री. सी.बी.शेंडे और श्री. सी.बी.शेंडे ही दे सकते है। वैसे तो श्री. सी.बी.शेंडे को भी जवाब देनी आवश्यकता नही है क्योंकी उनका नवाबी थाट ही बयान करता है। उंची शराब और उच्च जिवनस्तर के आशिक श्री. शेंडे साहब ऐसे भ्रष्ट और लालची अधिकारी है जो रुपयोंकी लालच में किसी गरीब अबला महिलासे भी रिश्वत लेने में शर्म महसुस नही करते है।

ऐसी ही एक गरीब अबला नारी श्रीमती सलमा शेख से इन महाशय ने रुपयें ऐंठ कर ठग दिया। जिसकी सच्चाई हम अपने पाठको कें सामने रख रहे है। सरकार और पुलीस प्रशासन से भी जादा हम हमारे पाठकोे पर विश्वास रखते है। जो हर माह प्रकाशित होने वाले अंक का इंतजार करती है, पढ़ते है सुझाव देते है और हो सके तो खुद ही नाजुक विषयोंपर संबंधित सरकारी विभाग से पुछताछ करती है। श्रीमती सलमा शेख वत्सलाताई नाईक नगर शिवसृष्टी, नेहरु नगर, एस.टी.डेपो के सामने, कुर्ला (पू.) मुंबई-७१ की रहिवासी गरीब महिला अपने परिवार के साथ छोटासा कबाडी का दुकान चलाती है।

जून और जुलाई महिने में भारी वर्षा के कारण श्रीमती. सलमा शेख के दुकान में पानी आ रहा था। बारीश के पानीसे दुकान में रखा सामान खराब न हो इसलिए उन्होंने दुकान की उंचाई बढ़ाने हेतू बांधकाम किया। लेकीन जैसे पुलिस के खबरी होते है वैसे ही श्री. सी.बी.शेंडे ने कुछ खबरी स्वतंत्ररुप से रखे है। रिश्वतसे कमाई राशी का कुछ हिस्सा यह साहब उन खबरीयोंपर खर्च करते है। जैसे ही श्रीमती शेखने दुकानाची उंचाई बढ़ाने का काम शुरु किया इन खबरीयोंने उनको आका श्री. शेंडे को खबर दे दी। शेंडे साहब रुपयों की लालच में अपना कर्तव्यनिभाने तुरंत पहूँचे और श्रीमती सलमा शेख की दुकान तोडने की धमकी दी। धमकी तो बहाना था रुपये वसुलने का। उन्होंने दुकानपर कार्रवाई ना करने के लिए २५०००/- (पंचवीस हजार) की माँग की। गरीब महिलाने २००००/-(बीस हजार) श्री. शेंडे साहब को दिये। श्रीमती. सलामा शेख को लगा की मामला ठंडा हो गया है। लेकीन लालची बेशर्म अतिक्रमण अधिकारी श्री. सी.बी.शेंडे ने दि.१८.०७.२०२१ को दुकान तोडने की नोटीस भेजी उसमें उन्होंने २४ घंटो का समय दिया और ना तोडनेपर धारा ३५४(ए) की तहद कानुनन कार्रवाई करने की धमकी दे दी। इस बात से श्रीमती सलमा शेख डरी हुई है की यदी श्री. शेंडे साहब ने अतिक्रमण कार्रवाई की तो दुकान कैसे चलाएगी? उनके परिवारपर भूखमरी संकट के बादल मंडरा रहे है। यदी रु.२००००/- (वीस हजार) रिश्वतसे श्री. शेंडे की मनशांती नही हो रही थी तो उन्होंने बेचारे उस गरीब अबला नारीसे रिश्वत क्यों ली? क्या मात्र ५०००/- (पाच हजार) के लिए अतिक्रमण अधिकारी ऐसी नीच हरकत कर सकता है? शेंडे साहब अपनी काली कमाईसे रुपये नही लोगों की हाय कमा रहे है।

नागरीकोंकी भर रुप से जो धन इकठ्ठा होता है उसमें से इन प्रशासनीक अधिकारीयोंकी तनखा होती है। संवविधान ने इन्हे लोकसेवक नाम दिया है। हमारे ही सेवक हमें ही लुटते है। ऐसा घिनोना काम करने से पहले श्री. शेंडे को शर्म महसुस नही हुई? महाराष्ट्र क्राईम्स के महाशयसे हम अतिक्रमण अधिकारी श्री. सी.बी.शेंडे की भ्रष्टाचार निरोध शाखा, आयकर विभाग से बेनामी संपत्ती, उनके रिश्तेदारों के नाम से खरीदी हुई संपत्ती की जांच भरने की मांग करते है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका के आयुक्त, बृहन्मुंबई पुलीस आयुक्त स्वयं इस मामले में दखल अंदाजी करे और भ्रष्ट, लालची अतिक्रमण अधिकारी श्री. सी.बी.शेंडे पर सक्त कानुनी कार्रवाई करे ताकी अन्य पालिका अधिकारी एवं कर्मचारी दुबारा ऐसा घिनोना कर्म ना करे।

पढ़िए महाराणा प्रताप और अकबर के युद्ध हल्दी घाटी की कहानी, जो फिर इस वजह से चर्चा में है...

मेवाड़ का ऐतिहासिक युद्ध हल्दीघाटी एक बार फिर खबरों में है.

मेवाड़ का ऐतिहासिक युद्ध हल्दीघाटी एक बार फिर खबरों में है. इस बार हल्दीघाटी का युद्ध भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के एक एक्शन की वजह से खबरों में है, लेकिन इसके पीछे का कारण पुराना ही है. हल्दीघाटी युद्ध का जिक्र होता है तो सवाल खड़ा हो जाता है कि आखिर इस युद्ध में विजयी कौन था. किताबों से लेकर शिलालेखों तक कई बार हल्दी घाटी के युद्ध से जुड़े तथ्यों को लेकर बदलाव किया गया है और अलग अलग तर्क सामने रखे गए हैं. एक बार फिर 'इतिहास को बदलने' की ओर कदम उठाया गया है और एएसआई ने युद्ध से जुड़े कुछ शिलालेख हटा लिए हैं.

इसके बाद से बहस फिर जारी हो गई है महाराणा प्रताप और अकबर के बीच लड़े गए इस युद्ध में जीत किसकी हुई थी. ऐसे में आज हम आपको युद्ध से जुड़े कुछ तथ्य भी बताएंगे और बताएंगे कि आखिर एएसआई ने किन शिलालेखों को हटाया है और उनपर क्या लिखा था.

क्यों खबरों में हल्दी घाटी युद्ध?

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने राजसमंद जिले में स्थित रणभूमि रक्ततलाई में लगे प्राचीन शिलालेख को हटा दिया. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर उदयपुर उपमंडल स्तर के अधिकारी गुरुवार को रक्ततलाई आए और इन शिलालेखों को हटवाने की कार्रवाई को अंजाम दिया. रक्ततलाई में कुल तीन शिलालेख हटाए गए हैं.

ऐसा क्या लिखा था?

दरअसल, इन शिलालेखों पर लिखी जानकारी में अकबर के सामने मेवाड़ी सेना को कमजोर बताया गया है. साथ ही बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबों में हल्दीघाटी की लड़ाई की तारीख १८ जून १५७६ है जबकि पट्टिकाओं पर यह २१ जून १५७६ लिखी गई है. ऐसे में गलत तथ्यों को बुनियाद मानते हुए इन शिलालेखों को हटाया गया है. वैसे राजपूत व लोक संगठन लंबे समय से इसकी मांग भी कर रहे थे.

क्या है हल्दी घाटी की कहानी

हल्दी घाटी में हुई जीत-हार के बारे में बताने से पहले आपको बताते हैं कि हल्दीघाटी की लड़ाई १८ जून १५७६ को मेवाड़ के राणा महाराणा प्रताप की सेना और आमेर (जयपुर) के महाराजा आमेर के मानसिंह प्रथम के नेतृत्व में मुगल सम्राट अकबर की सेनाओं के बीच लड़ी गई थी. हल्दीघाटी अरावली पर्वतमाला का एक क्षेत्र है, जो राजस्थान में राजसमंद और पाली जिलों को जोड़ता है. यहां पाए जाने वाली पीली मिट्टी की वजह से इसका नाम हल्दी घाटी है. लड़ाई की शुरुआत उस वक्त से हुई जब अकबर राजपूत क्षेत्रों पर नियंत्रण हासिल करके अपने शासन क्षेत्र को बढ़ाने की योजना बना रहा था.

दरअसल, हुआ ये था कि राजस्थान में महाराणा प्रताप के पिता उदय सिंह को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख राजाओं ने मुगल वंश को स्वीकार कर लिया था और मेवाड़ के राजघरानों ने अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके थे. ऐसे में अकबर ने राज्य विस्तार के लिए अक्टूबर १५६७ में चित्तौड़गढ़ की घेराबंदी की. राजपूतों को मुगलों ने घेर लिया. इसके बाद उदय सिंह पद छोड़ने पर मजबूर हो गए और रक्षा की जिम्मेदारी मेड़ता के राजा जयमल को दी गई, जो युद्ध के दौरान मारे गए. फिर उदय सिंह चार साल बाद अपनी मृत्यु तक अरावली के जंगलों में रहे.

उदय सिंह की मृत्यु के बाद, उनके पुत्र महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की कमान संभाली. फिर से अकबर ने कई बार बात की लेकिन प्रताप ने मुगलों की नहीं मानी और अकबर ने प्रताप से युद्ध का फैसला किया. द प्रिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, "Maharana Pratap: The Invincible Warrior' के लेखक और इतिहासकार रिमा हूजा ने बताया कि संख्या बल का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है, लेकिन मेवाड़ की सेना, अकबर की सेना के सामने काफी छोटी थी. इसके बाद युद्ध में मेवाड़ की सेना को काफी नुकसान भी हुआ.

हल्दी घाटी में किसकी हुई थी जीत?

अब युद्ध में जीत किसकी हुई, इसके पीछे कई तथ्य हैं. वहीं, दोनों पक्षों का मानना है कि उनकी ही जीत हुई. द प्रिंट की रिपोर्ट में इतिहासकारों के अनुसार कहा गया है कि मेवाड़ ने भी जीत का दावा किया था, क्योंकि कोई आत्मसमर्पण नहीं हुआ था. वहीं, मुगलों ने भी जीत का दावा किया क्योंकि वो अंत समय तक मैदान में थे. वहीं, उदयपुर के मीरा गर्ल्स कॉलेज के एक एसोसिएट प्रोफेसर चंद्र शेखर शर्मा का कहना है कि इतिहासकार इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि प्रताप की सेना हल्दीघाटी की लड़ाई से कभी पीछे नहीं हटी और इसका मतलब है युद्ध प्रताप ने जीता था.इसके अलावा कई ऐसे इतिहासकार हैं, जो दोनों तरफ से अलग अलग तर्क रहते हैं. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की किताबों से लेकर अन्य ऐतिहासिक दस्तावेजों में भी बदलाव होते रहते हैं और अलग अलग तथ्य सामने आते रहते हैं. ऐसे में साफ तौर पर किसी की जीत बताना सही नहीं है और हर पक्ष अपनी जीत का गुणगान करता है.

रामदेव सिंह ठाकुर

(पृष्ठ १ से)

घूम जायेगा इसका कोई अंदाजा नही लगा सकता यही हुआ की श्री ब्रह्मदेव शेर बहादुर सिंह जी के छोटे भाई रामदेव सिंह जिन्होंने अपने बड़े भाई श्री ब्रह्मदेव शेर बहादुर सिंह जी का चुनाव प्रचार का जिम्मा अपने सर लेकर ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी गाव गाव घूमकर प्रचार किया रामदेव सिंह जी के प्रचार को देखते हुये सभी उमीदवारो में यह खलबली मची हुई थी की किसी तरह से रामदेव को चुनाव प्रचार से रोका जाये लेकिन कहते है ना शेर जब चलता है तो वह अपना रास्ता खुद बनता है किसी दुसरे के बनाये हुए रास्ते पर चलना वह अपना अपमान समक्षता है लोगो ने रामदेव सिंह को यहा वहा से समझाने की बहोत कोशिश की लेकिन रामदेव जी नही माने।

स्थानिक जानकारों के अनुसार दिनांक ०२/०५/२०२१ के रोज जनगणना हुई जिसमे अरविंद तेजबहादुर सिंह कुछ ही मतों से विजय हुये लेकिन यह संजोग था की वह कुछ ही मतों से विजय हुये लोगो का मन्ना यह था की अरविंद तेजबहादुर सिंह की जमानत जप्त हो जायेगी।लेकिन ऐसा नही हुआ वह भले ही कुछ ही मतों से विजय हुये और वह ग्राम सेवक बन गये।अरविंद तेजबहादुर सिंह ग्राम सेवक तो बन गये लेकिन उनके और उनके सहयोगीयो के मन में रामदेव सिंह जी खटक रहे थे अब इन्होने रामदेव सिंह को किसी ना किसी तरह से चोट पहुचानी थी लेकिन किसी की हिम्मत नही थी की रामदेव सिंह के सामने खड़े होकर कुछ कहे दे इसी बिच रामदेव सिंह जी ०५/०७/२०२१ के रोज मुंबई अपना इलाज कराने आये थे दिनांक ०२/०८/२०२१ के रोज उन्हें उनके गाव से यह खबर मिली की उनके घर में चोरी हो गई है यह खबर मिलते ही तत्काल में रामदेव सिंह हवाई यात्रा से अपने गाव के लिए रवाना हुए,घर पहुचते उन्होंने अपनी आखो से देखा की मकान के आगे के हिस्से में कोई हानी नही हुई है लेकिन मकान के पिछले हिस्से से चोरो ने जंगला (खिड़की)तोड़कार अंदर घुसे और अन्दर आकार मकान के एक कमरे में जाकर एक संदूक जिसमे सोने और चांदी के २ लाख रूपये के जेवरात,इसी के साथ दुसरे कमरे में रखा संदूक में से तिस हजार रूपये नगद,इसी के साथ अनाज की एक डेहरी में से लगभग तिन कुंटल साभा चावल,और चार कुंटल गेहू इस तरह से अपराधीयों ने घटना को अंजाम दिया दिनांक ०३/०८/२०२१ के रोज बाशी पुलिस थाने में गुन्हे के ०१९१/२१ भादवी ४५७,३८० के तहद तिन लोगो के खिलाफ मामला दर्ज किया १)कुणाल हेन्द्र सिंह उर्फ़ गट्टू २)मुकेश पवन सिंह उर्फ़ बाबा ३)नितिन जय प्रकाश सिंह उर्फ़ निरहू गया

स्थानिक जानकर यह भी कहते है की बाशी पुलिस ने आपराधिक मामला सिर्फ दिखावे के लिये दर्ज किया है बाशी पुलिस थाने के कई पुलिस अधिकारियों को नाम जद तीनो आरोपियों के साथ ग्राम सेवक (तत्कालीन प्रधान) को कई बार बाग बगीचे में मिलते जुलने के अलावा खाने पिने की जगहों पर भी एक साथ देखा गया है इससे लोग यह अनुमान लगा रहे है की घटना की पूरी जानकारी ग्राम सेवक और पुलिस अधिकारियो की जानकारी में अंजाम दिया गया है इस लिए पुलिस वही पुराना खेल खेल रही है तु डाल डाल तो मै पाद पाद इसी खेल के चलते पुलिस ने अब तक इन तीनो आरोपियों को गिरफ्तार नही किया और ना ही करेगी ?

स्थानिक लोगो में यह भी एक चर्चा का विषय बना हुआ है की यह तीनो आरोपी बड़ी शान से यह भी कहते है की रामदेव घर में अकेला ही रहेता है जिस तरह चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है ठीक उसी तरह एक दिन रामदेव जी का भी काम तमाम कर देगे यदि रामदेव अपनी जान बचना चाहता तो अपने बच्चो के पास मुंबई चले जाये वर्ना एक दिन इनका भी फोटो अख़बार में छप जायेगा इस का मतलब यह है की ग्राम सेवक और उनके यह तिनो छुट भैया लोगो के मनसूबे कुछ खतरनाक दिखाई दे रहे है। दिनांक ०४/०८/२०२१ के रोज मोबाईल क्र ९१३७७७६४६४ पर संपर्क किये जाने पर उन्होंने तो इस मामले में कोई गंभीरता नही दिखाई। लेकिन उनके दोनों बेटे पुरे परिवार के साथ मुंबई में रहेते है,और मुंबई में ही उनका अपना कारोबार करते है,रामदेव जी के पुरे परिवार को इस बात की चिंता खाई जा रही है,की उनके पिता जी के साथ यह लोग कही घात ना करदे।

रामदेव जी के दोनों बेटो का सिद्धार्थ नगर जिले के पुलिस अधिक्षक श्री यश वीर सिंह से यह जानना चाहते की घटना के बाद भी पुलिस ने तोनो आरोपियों को क्यों नही हिरासत में लिया ?और पुलिस वालो का इन अरोपियो के साथ इस तरह से उनका मिलने जुलने को लेकर क्या समझा जाये?इस तरह से यह छुट भैये खुले आम यह कहेते घूम रहे है की एक दिन रामदेव की फोटो अख़बार में छप जाएगी इस का आप क्या मतलब समझोगे ?कही ऐसा तो नही की राजनैतिक भावना को लेकर ग्राम सेवक के इशारे पर यह सारा सडियंत्रा रचा जा रहा है ?पुलिस को चाहिये की इन तीनो आरोपियों को हिरासत में लेकर उन पर जल्द से जल्द क़ानूनी कारवाई की जाये और इस बात पर गहन तापतिश करे की इन तीनो ने किसके कहेने पर इस घटना को अंजाम दिया और आगे इनके मनसूबे क्या है ?उस व्यक्ति पर भी सक्त क़ानूनी कारवाई की जाये

अतिक्रमण विभाग की कार्रवाई

(पृष्ठ १ से)

विकसीत करते समय कुछ भूखंडो को आरक्षीत किया है। शिक्षासंकुल, अस्पताल, नागरी सुविधा केंद्र और कई सामाजिक तथा धार्मिक कार्योंके लिए यह भूखंड आरक्षित है। लेकीन कुछ स्थानिय भूखंड माफीयाओंने इन खुले भूखंडोपर कब्जा करक छोटे छोटे व्यावसायीकोंको फिरायेपर देकर गैरकानुनी तरीकेसे अपनी जेब भर रहे है। इस काम के लिए उन्होंने कुछ गुंडे भी पाल रखे है। इतना ही नही तो इस गैरकानुनी धंदो के सुरक्षा के लिए सिडको के और कुछ पुलिस कर्मी/अधिकारीयोंगी भी रिश्वत दे कर शामिल किया जाता है। ऐसी नागरिकोंमे चर्चा है। यदी कोई सामान्य व्यक्ती या समाजसेवी इसके खिलाफ सिर्फ बोले भी तो उनकी आवाज दबोचनेकी कोशीस होती है।

कामोठे सेक्टर-११मे भुखंड क्रमांक-१ कॉलेज के लिए आरक्षित है, भूखंड क्रमांक १(ए) सामाजिक कार्य और भूखंड क्र.-४ खेल के मैदान के लिए आरक्षीत है। भूखंड क्र.-१ बी, २,३ और ३ (ए) विविध प्रयोजनोंके लिए आरक्षीत है। उर पर स्थानिय भूखंड माफीयाने अवैध रुपसे कब्जा जमा कर (इन महाशय का नाम-बबलू गोवारी बताया जाता है। लगबग ७५ ओटोंका ईटोंका निर्माण किया इन ७५ ओटों के लिए हर ओटों के लिए हर ओटोकें लिए स्वतंत्र रुपसे बिजली कनेक्शन भी दिया गया है। इस गैरकानुनी मार्केट में सामानोंकी सुरक्षा के लिए सुरक्षा रक्षक एवं साफसफाई के लिए झाडूवाला भी नियुक्त किया गया। बिजली कनेक्शन के लिए महावितरण के भ्रष्ट अधिकाऱ्यांने मात्र २०० रु.के बॉंडपेपर पर बिजली मिटर मुइय्या कराया है। यह कितनी शर्मनाक बात है की आम जनता को बिजली के मिटर प्राप्त करने के लिए चप्पल छिस जाती है उनके दप्तर के चक्कर काटते काटते और दस्ताऐवजोंकी पुर्तता करते करते वही इन भ्रष्ट महावितरण अधिकारीयोंने मात्र २०० से.के. स्टॅम्पपेपर के शपथ पत्र पर बिजली मीटर कैसे दिये यह सवाल आज हर आम जनता के दिल में है। इन भ्रष्ट महावितरण के अधिकारीयोंपर कार्रवाई करने के माँग महाराष्ट्र क्राईम्स के माध्यमचे आम जनता कर रही है।इस अवैध मार्केटके बारे में 'महाराष्ट्र क्राईम्स' ने जानकारी लेनी चाही तर एक तथ्य बाहर आया और वह है यहाँपर पाणी की व्यवस्था करने के लिए बोअरवेल भी है। इस बोअरवेलका पान एक पानीकी टंकीमें जमा किया जाता था जो जमीन के अंदर (Underground) बांधी गयी और फिर उसमें से सभी व्यावसायिकोंको जलपुर्ती की जाती थी।

यह सभी गैरकानुनी कार्य का रचैता यहाँ का स्थानिय भुखंड माफिया बबलू गोवारी और उसके अन्य साथी है। या बबलू गोवारी और उसके साथी प्रकल्पग्रस्त (स्थानिय भाषा में गाववाला) होने का फायदा लेकर लोंगों के बिचमें दहशत फैलाए है। यदी किसीको कुछ नया धंदा जैसे दुध सप्लाय, ब्रेड और अंडे का सप्लाय करता है तो पहले इस बबलू गोवरी की अनुमती लेनी होती है, ऐसे लोंगोंमे चर्चा है। यदी इनकी अनुमती के वगैर किसीने ऐसा व्यवसाय शुरु किया तो उसे मारापीटा जाता है, उसका सामान जप्त किया जाता है या खराब किया जाता है उनकी मर्जी है तो व्यावसायिक की मर्जी के लिए फिर एक मोही राशी गुडलक और महिना कुछ राशी हप्ता की तौर पर देनी पडती है ऐसे कुछ लोगोंने अपना नाम नाही प्रकाशित नही करने की शर्त पर 'महाराष्ट्र क्राईम्स' को बताया। यह भूंखड कामोठे पुलिस थाने के करीब है। समझलो पडोसी है यहाँपर शामको कुछ समाजकंटक युवक शराबकी पार्टीयाँ भी करती थी। फिर पुलिस इनको क्यों अनदेखा करती थी? इस भूंखडपर जब गैर कानुनी तरिकेसे मार्केट का निर्माण किया जा रहा था उस समय सिडको के अधिकारी क्या कर रहे थे? मनसे वाहतूक सेना उपाध्यक्ष श्री. राजकुमार पाटील साहब इसकी शिकायत अर्जी कर रहे ये तो सिडको के आला अधिकारीयोंने यहाँपर स्वयं आकर मुआयना क्यों नही किया? क्या उन्हे रिश्वत प्राप्त होती थी, क्या उन्हे बबलू गोवारीसे डर लग रहा था? लाखोंकी लागत लगाकर दुकानदार दुकान खरीदता है और अपना व्यवसाय करता है, टॅक्स भरता है। यदी वह अपनी दुकान के सामनेवाली जगरपर वर्षा ऋतु में बारीश के पानीसे अपने सामान की सुरक्षा के लिए शेड बांधता है तो भी अनुमती लेनी होती है। यदी नही है तो सिडको अतिक्रमण अधिकारीयोंके कर्तव्योंका आभास होता है और वह शेड तोडी जाती है। फिर इस मार्केट में इटोंके पक्का निर्माण शेड का निर्माण एवं बोबरवेल और अंडरग्राऊंड पानी की टंकी का निर्माण हो रहा था तो उन्होंने कर्तव्योंका पालन करनेवाले मस्तिष्क में बबलू गोवारी का डर था या रुपयों की लालच?

मात्र २०० रुपयोंके स्टॅम्पपेपर पर बिजली कनेक्शन देनेवाले महावितरण के अधिकारी भी इसके लिए जिम्मेदार नही है? बबलू गोवारीचे बारे में क्या सच में पुलिसको पता नही है? अगर पता है तो क्यों नही उसे धर दबोचकर कानुनन कार्रवाई की? जनता की अदालत में सिडको के भ्रष्ट अधिकारी, महावितरण के भ्रष्ट अधिकारी, महावितरण के भ्रष्ट अधिकारी एवं भ्रष्ट पुलिस अधिकारी और ऐसी गैरकानुनी कार्य को साथ देनेवाले राज नैतिक पदाधिकारी सभी दोषी है। उनपर कानुनी कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे गैरकानुनी निर्माणोंका विरोध करनेवाले मनसे वाहतुक सेना उपाध्यक्ष श्री. राजकुमार पाटील साहब का हम अभिष्टचिंतन करते है। 'महाराष्ट्र क्राईम्स' आपके साथ हाथ मिलकर ऐसे गैरकानुनी धंदो के खिलाफ आपके कंधेसे कंधा मिलाकर चलेगा। ऐसा कोई भी व्यक्ती जिसे गैरकानुनी धंदो की खबर है व हमसे संपर्क करे। यदी वह नही चाहता है की उनका नाम अप्रकाशित या गुप्त रहे तो अवश्य ही गुप्त रखा जाएगा। यदी इन दोषीयोंपर कानुनी कार्रवाई नही हुई तो 'महाराष्ट्र क्राईम्स' इनके खिलाफ कानुनी लड़ाइ लड़ेगा और जनता को न्याय दिलाने हेतू अथक परिश्रम करेगा।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीक प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर-१, नागसेन बु मंदिर रोड नं-३,तिलक नगर, चेम्बुर,मुंबई ४०००८९ से मुद्रित करका कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू),मुंबई-४०००८३ से प्रकाशित किया। संपादक- सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७